भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1280

31 जुलाई 2023 के लिए उत्तर

कच्चे इस्पात का उत्पादन

1280. श्री नरेश बंसल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की स्थिति के अनुसार देश में कच्चे इस्पात के उत्पादन की मात्रा का तत्संबंधी संयंत्र-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार ने अपनी राष्ट्रीय इस्पात नीति में वर्ष 2030-31 तक 300 मीट्रिक टन कच्चे इस्पात के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार ने क्या लक्ष्य प्राप्त किया है और शेष लक्ष्य समय पर हासिल करने के लिए क्या उपाय किए हैं; और

(घ) इस संबंध में विभिन्न इस्पात संयंत्रों को सौंपी जाने वाली/ सौंपी गई भूमिका का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क) (i) चालू वर्ष अर्थात अप्रैल-जून 2023-24 तथा पिछले वर्ष की समान अवधि के लिए क्रूड इस्पात के उत्पादन संबंधी आंकडे निम्नानुसार हैं:-

वर्ष	**क्रूड इस्पात उत्पादन की मात्रा (एमटी में)**
अप्रैल-जून 2023-24*	33.88
अप्रैल-जून 2022-23*	31.03
एमटी= मिलियन टन; *अनंतिम	

ii. चालू वर्ष अर्थात अप्रैल-जून 2023-24 (अनंतिम) तथा पिछले वर्ष की समान अवधि के लिए क्रूड इस्पात के उत्पादन के राज्यवार आंकडे **अनुलग्नक-I** पर संलग्न हैं।

iii. चालू वर्ष अर्थात अप्रैल-जून 2023-24 (अनंतिम) तथा पिछले वर्ष की समान अवधि के लिए क्रूड इस्पात के उत्पादक-वार आंकडे **अनुलग्नक-II** पर संलग्न हैं।

(ख) से (घ) राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में प्रति व्यक्ति स्वदेशी खपत को वर्ष 2030 तक 160 किलोग्राम तक बढ़ाकर, वर्ष 2030 तक इस्पात उत्पादन क्षमता 300 एमटी किए जाने की परिकल्पना की गई है। इस्पात के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण एकल इस्पात कंपनियों/निवेशकों द्वारा उत्पादन तथा इसके विस्तार संबंधी विशिष्ट निर्णय प्रौद्योगिकी-वाणिज्यिक व्यवहार्यताओं तथा बाजार की गतिशीलता के आधार पर लिए जाते हैं। सरकार ने इस्पात उत्पादन तथा खपत में वृद्धि को सुकर बनाने के लिए इस संबंध में निम्नलिखित उपाय किए हैं:-

i. सरकारी अधिप्राप्ति हेतु मेड इन इंडिया इस्पात को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी रूप से विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति का क्रियान्वयन
ii. परियोजना विकास प्रकोष्ठ (पीडीसी) की स्थापना, जो परियोजनाओं की चरणबद्धता का मूल्यांकन और उनके क्रियान्वयन को गति प्रदान करने के लिए आवश्यक उपाय करते हुए नए निवेशों को सुकर बनाने के लिए परियोजनाओं की पहचान करता है।
iii. देश में विशेष इस्पात के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 6,322 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ विशेष इस्पात हेतु उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को अधिसूचित करना।
iv. दुबई में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी, भारत में इस्पात क्षेत्र की विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के लिए मंत्रालयीन प्रतिनिधिमंडल की जापान, कोरिया, रूस में स्वदेशी इस्पात उपभोक्ताओं के साथ चर्चा तथा भारतीय इस्पात क्षेत्र में निवेश के अवसरों के साथ-साथ व्यापारिक क्षमता को दर्शाना।
v. देश के इस्पात क्षेत्र में इस्पात उपयोग, इस्पात की समग्र मांग और निवेश को बढ़ाने के लिए रेलवे, रक्षा, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, आवासन, नागरिक उड्डयन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, कृषि एवं ग्रामीण विकास क्षेत्रों सहित क्षमतावान उपभोक्ताओं की और अधिक सहभागिता के साथ मेक इन इंडिया पहल तथा प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान।
vi. भारतीय इस्पात क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर कारोबारी सुधारात्मक उपायों के अंशांकन के साथ इस्पात उत्पादों तथा कच्चे माल पर आधारभूत सीमा शुल्क में समायोजन।
vii. अधिक अनुकूल शर्तों पर इस्पात बनाने के लिए कच्चे माल की उपलब्धता की सुविधा हेतु अन्य देशों के अलावा मंत्रालयों और राज्यों के साथ समन्वय।

*****

अनुलग्नक - I

अप्रैल-जून 2023-24 के लिए राज्य-वार क्रूड इस्पात का उत्पादन

राज्य	उत्पादन* (हजार टन में)
आंध्र प्रदेश	1577
अरुणाचल प्रदेश	10
असम	22
बिहार	150
छत्तीसगढ	4508
दिल्ली	1
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	79
गोवा	106
गुजरात	2376
हरियाणा	218
हिमाचल प्रदेश	363
जम्मू और कश्मीर	41
झारखंड	4528
कर्नाटक	3391
केरल	94
मध्य प्रदेश	234
महाराष्ट्र	4040
मेघालय	16
ओडिशा	5768
पुदुचेरी	125
पंजाब	1166
राजस्थान	183
तमिलनाडु	859
तेलंगाना	511
त्रिपुरा	3
उत्तर प्रदेश	446
उत्तराखंड	243
पश्चिम बंगाल	2820
कुल	**33879**
*अनंतिम	

अनुलग्नक-II

चालू वर्ष अर्थात 2023-24 (अनंतिम) और 2022-23 के दौरान क्रूड इस्पात का उत्पादक-वार उत्पादन

(हजार टन में)

उत्पादक	अप्रैल-जून		
	2023-24*	2022-23	%बदलाव*
सार्वजनिक क्षेत्र			
सेल	4667	4332	7.7
आरआईएनएल	995	1008	-1.3
उप-योग (क)	**5662**	**5340**	**6.0**
निजी क्षेत्र (ख)	**28217**	**25694**	**9.8**
कुल उत्पादन (क+ख)	**33879**	**31034**	**9.2**

*अनंतिम